सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 156 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 13 जुलाई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

यदि आपका प्रिय सौ बार भी रूठे, तो भी रूठे हुए प्रिय को मनाना चाहिए,क्योंकि यदि मोतियों की माला टूट जाए तो उन मोतियों को बार-बार धागे में पिरो लेना चाहिए। -रहीम दास

टी20 की हार का वनडे में हिसाब... 7 | महाराष्ट्र में सियासी वार-पलटवार... 3 | भाजपा सरकार में योजनाएं... 2

जितने वार हुए... उतने मजबूत होकर निकले खान सर!

खान सर को अग्रिम जमानत, बॉडी गार्ड को भी राहत

» अग्रिम जमानत के बाद बदला सियासी और सामाजिक नैरेटिव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। किसी को कठघरे में खड़ा करना आसान है। किसी के खिलाफ आरोपों की आंधी खड़ी करना भी कठिन नहीं है। सोशल मीडिया की अदालत में आजकल मिनटों में फैसला लिख देने का ट्रेंड भी आसान है। लेकिन कानून की अदालत में न तो हैशटैग चलते हैं न ट्रेंड, न शोर, न नारों की गूंज। वहां सिर्फ दो चीजें चलती हैं तथ्य और कानून। और आज के अदालती फैसले ने खान सर और उनके बाडी गार्ड को तथ्यों और सबूतों के आधार पर उन्हें राहत भरी खबर सुनाई है।

पटना सिविल कोर्ट ने चर्चित शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर को अग्रिम जमानत देकर फिलहाल गिरफ्तारी से राहत दे दी है। उनके दोनों निजी सुरक्षा कर्मियों को भी कानूनी संरक्षण मिला है। बीते कुछ महीनों से खान सर सिर्फ एक शिक्षक नहीं रहे थे। वह एक बहस बन गए थे। उन पर आरोप लगे जवाब दिए गए। समर्थक और विरोधी आमने सामने आ गए। सोशल मीडिया ने अपने अपने फैसले लिख दिए। टीवी स्टूडियो में घंटों बहस हुई। हर किसी के पास राय थी। लेकिन अदालत ने राय नहीं, रिकॉर्ड देखा। अदालत ने शोर नहीं, सुनवाई की और खान सर के वकीलों की दलीलों को सही मानते हुए उन्हें राहत प्रदान करने का एलान कर दिया। मुकदमा चलता रहेगा आरोप लगते रहेंगे लेकिन जो लोग खान सर को जेल की सलाखों के पीछे धकेलना चाहते थे उनके अरमान पूरे नहीं हुए। कानूनी जानकारों का मानना है कि बाकी के मुकदमों पर भी आज के फैसलों का असर पड़ेगा और जो मानहानि का मुकदमा एंकर अंजना ने खान सर और 4PM के संपादक संजय शर्मा पर किया है उसमें भी उन्हें मुंह की खानी पड़ेगी।

जारी रहेगी सुनवाई

अब आगे जांच होगी अदालत में सुनवाई होगी। साक्ष्य परखे जाएंगे। कानून अपना रास्ता तय करेगा। लेकिन आज का दिन उस मूल सिद्धांत की याद दिलाता है जिस पर न्याय व्यवस्था खड़ी है न्याय अदालत करती है माहौल नहीं।

आज का फैसला बड़ा राजनीतिक और सामाजिक संदेश

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक और सामाजिक संदेश निकलता है। आज के दौर में किसी भी चर्चित व्यक्ति का विवाद केवल अदालत तक सीमित नहीं रहता। वह राजनीति में पहुंचता है सोशल मीडिया में पहुंचता है सार्वजनिक धारणा का हिस्सा बन जाता है। ऐसे माहौल में अदालत का हर आदेश सिर्फ कानूनी दस्तावेज नहीं रहता बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसे की याद भी दिलाता है। खान सर को मिली अग्रिम जमानत का सबसे बड़ा संदेश यही है कि कानून किसी भी व्यक्ति के साथ प्रक्रिया के अनुसार चलता है। न भीड़ के दबाव में न सुर्खियों के दबाव में और यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यही है।

खान ग्लोबल स्टडीज के बाहर हुई थी हिंसा

पूरा मामला खान ग्लोबल स्टडीज के बाहर हुई हिंसा और फायरिंग की घटना से जुड़ा है। इसी प्रकरण में खान सर और उनके दो निजी सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए उन्होंने पटना सिविल कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी जिस पर आज अदालत ने उन्हें राहत प्रदान की है। पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब पटना के मुसल्लहपुर इलाके में स्थित कोचिंग संस्थान के बाहर कथित रूप से कुछ लोगों और सुरक्षा कर्मियों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि स्थिति बिगड़ने के दौरान फायरिंग हुई और इससे इलाके में

अफरा तफरी फैल गई। इस घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान खान सर का नाम भी केस में शामिल किया गया जबकि उनके दोनों निजी सुरक्षा कर्मियों पर फायरिंग और हिंसा से जुड़े आरोप लगाए गए। मामला सामने आने के बाद खान सर की ओर से अदालत में यह दलील दी गई कि उनका घटनास्थल पर कोई प्रत्यक्ष आपराधिक कृत्य नहीं था और उन्हें अनावश्यक रूप से मामले में घसीटा जा रहा है। दूसरी ओर अभियोजन पक्ष ने जांच और एफआईआर के आधार पर अपना पक्ष रखा। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने पहले अपना आदेश सुरक्षित रखा और बाद में अग्रिम जमानत मंजूर कर दी।

क्या होती है अग्रिम जमानत

अग्रिम जमानत वह कानूनी राहत है जो किसी व्यक्ति को संभावित गिरफ्तारी से पहले अदालत से मिल सकती है। यदि अदालत को लगता है कि परिस्थितियों को देखते हुए व्यक्ति को जांच में सहयोग करते हुए गिरफ्तारी से संरक्षण दिया जा सकता है तो वह अग्रिम जमानत दे सकती है।

भाजपा सरकार में योजनाएं सिर्फ भ्रष्टाचार के लिए बनती हैं: अखिलेश

सपा प्रमुख ने पौधरोपण को बताया भ्रष्टारोपण

350 करोड़ रुपये का घोटाला करने की योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर फिर एकबार हमला बोला है। सपा प्रमुख ने इसआर राज्य में 35 करोड़ पौधे लगाने के अभियान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पौघरोपध नही भ्रष्टारोपण है। उन्होंने कहा यह 350 करोड़ रुपये का घोटाला करने की योजना है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में योजनाएं सिर्फ भ्रष्टाचार के लिए बनती हैं और पिछले 10 वर्षों में पेड़ सिर्फ कागजों पर लगे हैं।

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा सरकार के वृक्षारोपण अभियान पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा के लिए 'वृक्षारोपण' असल में 'भ्रष्टारोपण' का कार्यक्रम बन चुका है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को ही 'एक पेड़ मां के नाम' महा अभियान की शुरुआत की है, जिसके तहत राज्य में 35 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है।

सपा मुख्यालय से जारी एक बयान में अखिलेश यादव ने इस अभियान पर सवाल उठाते हुए कहा, यह 35 करोड़ पेड़ लगाने की बात नहीं है, बल्कि हर पेड़ से कम से कम 10 रुपये यानी कुल 350 करोड़ रुपये कमाने की भाजपा की गुप्त योजना है।

नदियों को साफ करने का वादा झूठा

नदियों की सफाई के मुद्दे पर बोलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने नदियों को साफ करने का झूठा वादा किया और उसका बजट भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। उन्होंने कहा कि न तो गंगा साफ हुई और न ही उसकी सहायक नदियां। यमुना नदी भी बुरी तरह प्रदूषित है और प्रदेश की तमाम नदियां अपने अस्तित्व के लिए जूझ रही हैं। उन्होंने याद दिलाया कि सपा सरकार के दौरान लखनऊ में गोमती नदी की सफाई करके विश्वस्तरीय गोमती रिवरफ्रंट बनाया गया था, जो नदियों की सफाई का एक बेहतरीन उदाहरण था, लेकिन भाजपा सरकार ने उसे भी बर्बाद कर दिया।

जो भगवान का दरबार नहीं छोड़े, वे बाग-बगीचे क्या छोड़ेंगे!

जिन्होंने भगवान का दरबार नहीं छोड़ा, वे बाग-बगीचे क्या छोड़ेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में हर विभाग और हर काम में लूट मची है और योजनाएं सिर्फ भ्रष्टाचार करने के लिए बनाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले 10 सालों में सिर्फ कागजों पर ही पेड़ लगाए हैं, जमीन पर कोई पेड़ नहीं दिखता। जो थोड़े-बहुत पेड़ कहीं लगे भी, वे पानी न मिलने के कारण सूख गए।

बजट आपस में बांटने के बाद अभियान खत्म हो जाता है

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि सरकार हर साल वृक्षारोपण के नाम पर भ्रष्टाचार की नई योजना लाती है और बजट आपस में बांटने के बाद अभियान खत्म हो जाता है। इसके बाद सालभर सरकार को न तो पेड़ों की चिंता रहती है और न ही पर्यावरण की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार में पेड़ों और जंगलों की अवैध कटाई हो रही है, जिससे पर्यावरण के लिए गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

राममंदिर आरएसएस कार्यालय बन गया है: अविमुक्तेश्वरानंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने राम मंदिर के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान स्वरूप में अयोध्या का राम मंदिर आरएसएस का कार्यालय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जब यह मंदिर पूर्ण रूप से बन जाएगा तब सभी दर्शन करने जाएंगे। जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शिवगढ़ में अपनी यात्रा के दौरान गाय को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिए जाने की पुरजोर वकालत की है।

» लोगों से गौरक्षा की अपील की

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पूरे प्रदेश में लोगों से गाय की रक्षा करने की अपील की। उन्होंने जोर देकर कहा कि गाय को माता मानने में ही सभी का कल्याण है। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि लोग अनजाने में गाय की अवहेलना कर कितना बड़ा पाप कर रहे हैं, जबकि उन्हें यह समझना होगा कि गाय केवल पशु नहीं, बल्कि एक पूजनीय मां है। इसके पहले, बाराबंकी में रविवार को त्रिवेदीगंज के गौतौना गांव में समाजवादी पार्टी के नेता गौतम रावत के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में गौ संरक्षण और राम मंदिर निर्माण को लेकर केंद्र व राज्य की राजनीति पर तीखी टिप्पणी की।

मानसून सत्र में राम मंदिर चढ़ावा और नीट पेपर लीक का मुद्दा उठाएगा इंडिया गठबंधन: सुधाकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने कहा है कि इंडिया गठबंधन आगामी संसद के मानसून सत्र में राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े मामले और नीट पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरेगा। इसके साथ ही, विपक्षी दलों में फूट डालकर दो-तिहाई बहुमत हासिल करने की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कथित कोशिशों का भी कड़ा विरोध किया जाएगा।

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। बिहार के बक्सर से सांसद सुधाकर सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी संख्या बल जुटाने के उद्देश्य से विपक्षी दलों को कमजोर करने की राजनीतिक रणनीति अपना रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा देशभर में विपक्षी दलों को तोड़कर संसद में दो-तिहाई बहुमत

हासिल करना चाहती है, लेकिन इंडिया गठबंधन पूरी मजबूती के साथ इसका विरोध करेगा। सांसद सुधाकर सिंह के अनुसार, विपक्ष संसद में हर महत्वपूर्ण मुद्दे को प्रमुखता से उठाएगा। इसमें राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी और पेपर लीक से लेकर बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे विषय शामिल हैं। हाल के दिनों में विपक्षी सांसदों के पाला बदलने की खबरों और अटकलों पर उन्होंने कहा कि यह पूरे इंडिया गठबंधन के लिए चिंता का विषय

एक देश, एक चुनाव का संसद में होगा पुरजोर विरोध

राजद सांसद ने साफ किया कि विपक्ष एक देश, एक चुनाव और परिसीमन जैसे कदमों का संसद में पुरजोर विरोध करेगा, क्योंकि ये लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करते हैं। इसके अलावा, उन्होंने नीट पेपर लीक को एक राष्ट्रीय संकट बताते हुए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन का भी पूरा समर्थन किया।

है। राजद नेता ने आरोप लगाया कि पहले दल-बदल कानून के दायरे में रहकर होता था, लेकिन आज ऐसा लगता है कि नियमों और सुरक्षात्मक उपायों को भी पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल के पास अपने दम पर पर्याप्त संख्या बल नहीं है, इसलिए वह विपक्षी प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करने में जुटा है, जिससे पूरा विपक्ष चिंतित है।

मोदी ट्रस्ट की जांच करने में योगी बेबस: संजय सिंह

» बोले आप सांसद- राम मंदिर घोटाले के 26 सबूतों के साथ जाऊंगा कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रदेश सरकार पर राम मंदिर निर्माण और जमीन खरीद में हुए भ्रष्टाचार को दबाने का आरोप लगाया है। संजय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो दूध का दूध और पानी का पानी करने की कसम खाई थी, वह अब खोखली साबित हो रही है क्योंकि एसआईटी को निर्माण कार्यों और जमीन घोटाले की जांच से ही बाहर कर दिया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर निर्माण में 40 प्रतिशत कमीशन खाया गया और चंदे के पैसे से करोड़ों का जमीन घोटाला किया गया। संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि चूंकि यह ट्रस्ट सीधे प्रधानमंत्री द्वारा बनाया गया है, इसलिए मुख्यमंत्री की हिम्मत नहीं है कि वे भ्रष्टाचारियों पर हाथ डाल सकें। उन्होंने घोषणा की कि वे 26 पुख्ता दस्तावेजों के साथ कोर्ट जाएंगे ताकि प्रभु श्रीराम को लूटने वालों को कड़ी सजा मिल सके। सांसद संजय सिंह ने मुख्यमंत्री योगी के पुराने दावों पर तंज कसते हुए कहा कि जब मंदिर में चोरी का मामला खुला था, तब मुख्यमंत्री ने बड़े दावे के साथ कहा था कि किसी को बख्शा नहीं जाएगा और जो भी सबूत हैं वे एसआईटी को दिए जाएं।

भाजपा अब बाबर जनता पार्टी है: आदित्य ठाकरे

» शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने शुरू किया राम रक्षा आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे ने राम मंदिर में कथित चंदा चोरी और समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर भाजपा को आड़े हाथों लिया है। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए आदित्य ठाकरे ने भाजपा पर तीखे राजनीतिक हमले किए। उन्होंने कहा, हम भगवान राम की रक्षा भाजपा से कर रहे हैं। भाजपा अब बाबर जनता पार्टी बन चुकी है।

भाजपा कथित राम मंदिर लूट से देश का ध्यान भटकाने के लिए ही समान नागरिक संहिता का मुद्दा उठा रही है। हम ऐसा नहीं होने देंगे। आइए

यूसीसी पर उसके गुणों के आधार पर बहस करें, और हम इसका समर्थन करेंगे। सुप्रीम कोर्ट को राम मंदिर में हुई इस कथित लूट की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की कथित चोरी के खिलाफ उद्धव ठाकरे ने 5 जुलाई को राम रक्षा आंदोलन की शुरुआत की थी। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि हिंदुओं को लूटने वाले लोग इस समय सत्ता में बैठे हैं। आंदोलन के तहत उद्धव ठाकरे ने मध्य मुंबई के दादर में स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान स्तोत्र और हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद मंदिर के बाहर एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। भगवा रंग का कुर्ता पहने उद्धव ठाकरे ने साफ कहा कि अगर कोई हिंदुत्व का गलत इस्तेमाल करके मंदिर को लूटेगा, तो देश के हिंदू उसे कभी माफ नहीं करेंगे। उद्धव ठाकरे ने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदुओं को लूटने वाले लोग ही आज सत्ता में बैठे हैं। किसी भी लुटेरे से उसकी खुद की लूट की जांच करने के लिए नहीं कहा जा सकता। इसलिए यह जांच पूरी तरह निष्पक्ष रूप से होनी चाहिए।

महाराष्ट्र में सियासी वार-पलटवार अब भी चरम पर

ऑपरेशन टाइगर के बाद अब तूतारी अभियान पर घमासान

शरद पवार के बीजेपी के समर्थन में जाने पर सियासी शोर तेज

» कांग्रेस बोली-एनसीपी पर एनडीए का दबाव

» पवार के पोते बोले-सब बातें हैं बातों का क्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासी वार-पलटवार अब भी चरम पर है। साथ आपरेशन का सिलसिला भी जारी है। आपरेशन टाइगर के बाद तुतारी अभियान की चर्चा होना शुरू हो गई। अबकी कांग्रेस ने ये भाषा छेड़ी है। कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण का कहना है कि शरद पवार की पार्टी के पांच से छह सांसद बेचैन हैं और उन पर केंद्र की ओर से भारी दबाव है। उनका दावा है कि जिस तरह उद्धव ठाकरे की शिवसेना को कमजोर किया गया, उसी तरह का घटनाक्रम अब शरद पवार की पार्टी के साथ भी हो सकता है।

उधर शरद पवार और एकनाथ शिंदे की मुलाकात ने सियासी पारा गरम है। बीच शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने कहा कि शरद पवार राजनीति से ऊपर है, पवार साहब जब आए तो एकनाथ शिंदे ने उनका सत्कार किया। वो उनका बड़प्पन है, पवार साहब को चलने में दिक्कत है, वहां जो सबसे नजदीकी दफ्तर था वो एकनाथ शिंदे का था इसलिए वहां पर बैठे थे। हम इसे राजनीति की परंपरा के नजरिए से सोच रहे हैं। उद्धव ठाकरे की पार्टी के नेता इसे पॉलिटिकल एंगल दे रहे हैं। शरद पवार की पार्टी के पांच से छह सांसदों के पाला बदलने को लेकर उठी नई अटकलों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या संसद के मॉनसून सत्र से पहले विपक्ष को एक और बड़ा झटका मिलने वाला है।

कांग्रेस व एनसीपी विलय पर मतभेद

इसी बीच एक और दिलचस्प परत सामने आई है। लंबे समय से यह चर्चा चल रही है कि शरद पवार की पार्टी का कांग्रेस में विलय हो सकता है। लेकिन कांग्रेस के ही कई वरिष्ठ नेताओं ने इस संभावना पर आपत्ति जताई है। उनका मानना है कि यदि ऐसा हुआ तो महाराष्ट्र कांग्रेस में शरद पवार और सुप्रिया सुले का प्रभाव बढ़ जाएगा और मौजूदा प्रदेश नेतृत्व हाशिये पर चला जाएगा। यानी विपक्ष केवल बाहर से ही नहीं, भीतर से भी कई मोर्चों पर उलझा हुआ दिखाई दे रहा है। इसके अलावा, पृथ्वीराज चव्हाण ने यह भी कहा कि यदि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को संसद में दो तिहाई बहुमत मिल गया तो वह अपनी वैचारिक और राजनीतिक प्राथमिकताओं को तेजी से आगे बढ़ा सकता है। उन्होंने संविधान, परिसीमन और बड़े संवैधानिक फैसलों को लेकर आशंकाएं व्यक्त कीं। अब सबकी नजर 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मॉनसून सत्र पर टिक गई है। यदि उससे पहले विपक्षी दलों के कुछ और सांसद सत्ता पक्ष के साथ चले जाते हैं तो संसद का पूरा राजनीतिक गणित बदल सकता है।

अयोध्या राममंदिर चोरी मामले पर उठाए सवाल

अयोध्या में जिस तरह से हुआ, हर एक मंदिर में ये चर्चा शुरू हो गई है. लोग बीजेपी और बीजेपी की विचारधारा जैसे पार्टी के खिलाफ जाने लगे हैं, इस स्थिति में हमारे सांसद और विधायक बीजेपी या बीजेपी के साथ वाले दूसरे पक्षों का सपोर्ट करेंगे, ऐसा तो हमको नहीं लगता। दरअसल, उनका ये बयान ऐसे समय में आया है जब शरद पवार के एनडीए में जाने की अटकलें भी लग रही हैं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सांसद अमोल कोल्हे के बयान के बाद घमासान

इस दावे को और बल तब मिला जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सांसद अमोल कोल्हे ने यह कहकर नई बहस छेड़ दी कि यदि सत्तारुढ़ महायुति की ओर से प्रस्ताव आता है तो वह उस पर विचार करेंगे। इस एक बयान ने विपक्षी खेमे की बेचैनी बढ़ा दी है। यदि सचमुच पांच या छह सांसद पाला बदलते हैं तो महाराष्ट्र की राजनीति में विपक्ष की बची खुची ताकत को भी गहरी चोट लग सकती है। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का संख्याबल और राजनीतिक आत्मविश्वास दोनों मजबूत होंगे।

शरद पवार और एकनाथ शिंदे की मुलाकात से चढ़ा तापमान

दिलचस्प बात यह है कि इसी बीच शरद पवार और एकनाथ शिंदे की विधान भवन में हुई शिष्टाचार मुलाकात ने भी राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया। उद्धव ठाकरे खेमे के नेता संजय राउत ने इसे लेकर खुली नाराजगी जताई और कहा कि इससे उन लोगों का सम्मान बढ़ता है जिन्हें उनकी पार्टी अपने टूटने का जिम्मेदार मानती है। वहीं पृथ्वीराज चव्हाण ने हालांकि इस मुलाकात का बचाव करते हुए कहा कि राजनीति में वैचारिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन व्यक्तिगत संबंध बनाए रखने में कोई बुराई नहीं है। उन्होंने यह भी माना कि शिवसेना का आहत होना स्वाभाविक है क्योंकि उसकी पीड़ा अलग है। इस बयान ने साफ कर दिया कि महा विकास आघाड़ी के भीतर भी भरोसे की डोर पहले जैसी मजबूत नहीं रह गई है।

विधायक रोहित पवार ने बीजेपी पर निशाना साधा

शरद पवार और एकनाथ शिंदे की मुलाकात ने सियासी पारा गरमा दिया है। इस बीच शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने कहा कि शरद पवार राजनीति से ऊपर है। पवार साहब जब आए तो एकनाथ शिंदे ने उनका सत्कार किया, वो उनका बड़प्पन है। पवार साहब को चलने में दिक्कत है, वहां जो सबसे नजदीकी दफ्तर था वो एकनाथ शिंदे का था इसलिए वहां पर बैठे थे, हम इसे राजनीति की परंपरा के नजरिए से सोच रहे हैं, उद्धव ठाकरे की पार्टी के नेता इसे पॉलिटिकल एंगल दे रहे हैं। क्या पार्टी के सांसद असंतुष्ट हैं, इस सवाल पर उन्होंने कहा, विकास नहीं लेने से असंतुष्ट लेंगे ही।

सावरकर की पुस्तक पर चर्चा करे बीजेपी सरकार

वीर सावरकर को भारत रत्न देने के मुद्दे पर उन्होंने कहा, जब आएगा (प्रस्ताव) तब हम बात करेंगे,लेकिन हम सरकार से एक विनती करेंगे, सावरकर जी ने जो भी पुस्तक लिखी हैं, उसमें क्या-क्या लिखा है, वो पूरा चर्चा में आना चाहिए, उनका गाय के बारे में क्या मत था, धर्म के बारे में क्या मत था, देश और महिलाओं के बार में क्या मत था, ये सारे विषयों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए. जब चर्चा होगी तब लोगों को असलीयत का पता चलेगा., सावरकर जी की दो भूमिका है, एक सकारात्मक और एक नकारात्मक भी है, दोनों पहलू पर चर्चा होनी चाहिए।

शरद पवार की पार्टी के पांच से छह सांसदों पर केंद्र की ओर से भारी दबाव : पृथ्वीराज चव्हाण

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के ताजा दावे ने इस चर्चा को और तेज कर दिया है कि अब निशाने पर शरद पवार की पार्टी है और सियासी गलियारों में इसे तुतारी अभियान का नाम दिया जा रहा है। पृथ्वीराज चव्हाण का कहना है कि शरद पवार की पार्टी के पांच से छह सांसद बेचैन हैं और उन पर केंद्र की ओर से भारी दबाव है। उनका दावा है कि जिस तरह उद्धव ठाकरे की शिवसेना को कमजोर किया गया, उसी तरह का घटनाक्रम अब शरद पवार की पार्टी के साथ भी हो सकता है। हालांकि उन्होंने यह स्वीकार किया कि यह सांसद आखिर किस दल में जाएंगे,

इस पर वह कोई निश्चित दावा नहीं कर सकते, लेकिन उनकी बेचैनी की चर्चा राजनीतिक गलियारों में जोर पकड़ चुकी है।

महाराष्ट्र लंबे समय से राजनीतिक प्रयोगशाला बना

देखा जाये तो महाराष्ट्र लंबे समय से राजनीतिक प्रयोगशाला बना हुआ है। यहां पहले शिवसेना टूटी, फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी विभाजित हुई और अब यदि शरद पवार की पार्टी के सांसद भी बड़ी संख्या में पाला बदलते हैं तो यह केवल एक राज्य का घटनाक्रम नहीं रहेगा। इसका सीधा असर राष्ट्रीय राजनीति पर भी दिखाई देगा। विपक्ष की एकजुटता पर नए सवाल उठेंगे, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और मजबूत होकर उभरेगा। बहरहाल, फिलहाल यह तय नहीं है कि तुतारी अभियान केवल राजनीतिक चर्चा है या जल्द सामने आने वाली वास्तविकता। लेकिन इतना स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की राजनीति अभी शांत होने वाली नहीं है। मॉनसून सत्र से पहले की यह खामोशी दरअसल किसी बड़े राजनीतिक खेल की प्रस्तावना भी हो सकती है। आने वाले कुछ दिन यह तय करेंगे कि क्या भारतीय राजनीति का अगला बड़ा अध्याय महाराष्ट्र से ही लिखा जाने वाला है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

नक्सलवाद छोड़कर मुख्यधारा में आए लोगों पर ध्यान दे सरकार

भारत सरकार का दावा है कि नक्सलवाद काफी हद तक खत्म हो चुका है। कई लोगों से सरंडर कर दिया है। पर कुछ अन्य गुटों का कहना है कि इससे और अलग तरह की दिक्क्ते आ रहीं हैं जिसे सरकार को ध्यान देना होगा। अन्यथा इन इलाकों का मूल स्वरुप प्रभावित होगा। अब सवाल उठने लगा है जो लोग मुख्य धारा में आ गए हैं क्या वह सरकारी व्यवस्था जिस तरह की होती है उससे खिन्न नहीं होंगे इसकी गारंटी कौन लेगा। हालांकि सरकार ने कहा है सब ठीक होगा। आपको बता दें काफी पहले केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि मार्च 26 तक देश से नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। मार्च 26 की अवधि से एक दिन पहले ही गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बड़ी घोषणा की। नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री ने कहा कि देश में नक्सलवाद अब लगभग समाप्त हो चुका है। विकास के मोर्चे पर, सरकार को नियत नेल्नानार (आपका अच्छा गांव) जैसी योजनाओं को और विस्तार देना चाहिए, जो अंतिम छोर तक बुनियादी सुविधाएं पहुँचाने पर केंद्रित हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण सबसे प्रभावी हथियार है। जब आदिवासियों के बच्चों के पास स्कूल होंगे और उनके युवाओं के पास रोजगार के अवसर होंगे, तो नक्सलियों की भर्ती प्रक्रिया स्वत: ही बंद हो जाएगी। कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना नक्सली विचारधारा के ताबूत में आखिरी कील साबित हो सकता है। साथ ही, वन अधिकारों (फोरेस्ट राइट एक्ट) का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि आदिवासियों को अपनी जमीन पर मालिकाना हक का अहसास हो और वे उग्रवाद के बहकावे में न आएं। आदिवासी इलाकों में असली न्याय पहुंचा है। केंद्र सरकार की सख्त नीति, सुरक्षा अभियान और विकास योजनाओं के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार नकसल प्रभावित क्षेत्र में तेजी से विकास करा रही है। शिक्षा के लिए स्कूल और उपचार के लिए वहां अस्पताल खुल रहे हैं। नक्सलवाद की जड़ें खत्म हो रही हैं और आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची है। सुरक्षा बलों की शहादत के आंकड़ों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। ऑपरेशन कगार और ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट जैसे लक्षित अभियानों के माध्यम से सुरक्षा बलों ने नक्सली नेतृत्व की कमर तोड़ दी है। 25 के दौरान ही 300 से अधिक नक्सली मारे गए। इनमें कई शीर्ष कमांडर शामिल थे।

“ जब आदिवासियों के बच्चों के पास स्कूल होंगे और उनके युवाओं के पास रोजगार के अवसर होंगे, तो नक्सलियों की भर्ती प्रक्रिया स्वत: ही बंद हो जाएगी। कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना नक्सली विचारधारा के ताबूत में आखिरी कील साबित हो सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्रगति के साथ सुरक्षा और पारदर्शिता भी जरूरी

डॉ. शशांक द्विवेदी

किसी भी नई तकनीक के इतिहास पर नजर डालें तो एक दिलचस्प तथ्य सामने आता है अक्सर उस तकनीक को विकसित करने वाले वैज्ञानिक और संस्थान ही सबसे पहले उसके संभावित खतरों के प्रति चेतावनी देते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विकसित करने वाले कई तकनीकी विशेषज्ञ आज डिजिटल लत, फेक न्यूज और मानसिक स्वास्थ्य पर उसके दुष्प्रभावों को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। अब यही स्थिति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भी दिखाई दे रही है। दुनिया की अग्रणी एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने चेतावनी दी है कि एआई का विकास इतनी तेजी से हो रहा है कि आने वाले दो वर्षों के भीतर ऐसी प्रणालियां विकसित हो सकती हैं, जो स्वयं को बिना मानवीय हस्तक्षेप के बेहतर बनाने में सक्षम हों।

कंपनी ने इस संभावना को 'रिकर्सिव सेल्फ-इम्प्रूवमेंट' नाम दिया है और वैश्विक स्तर पर एआई विकास की गति को धीमा करने की आवश्यकता पर बल दिया है। यह चेतावनी केवल तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के भविष्य से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। आज के एआई मॉडल अत्यंत शक्तिशाली हैं, लेकिन वे अभी भी मनुष्यों द्वारा विकसित, प्रशिक्षित और नियंत्रित किए जाते हैं। इंजीनियर मॉडल तैयार करते हैं, डेटा उपलब्ध कराते हैं और उसकी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करते हैं। यदि भविष्य में कोई एआई प्रणाली स्वयं अपने कोड को समझने, उसमें सुधार करने और स्वयं को पहले से अधिक सक्षम बनाने लगे, इसके बाद नया और अधिक उन्नत संस्करण फिर स्वयं को और बेहतर बनाए। यदि यह प्रक्रिया लगातार चलती रही, तो एआई की क्षमता बेहद कम समय में कई गुना बढ़ सकती है। इसे ही रिकर्सिव सेल्फ-इम्प्रूवमेंट कहा जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ऐसा हुआ, तो एआई विकास की गति मानव नियंत्रण और समझ से कहीं आगे निकल सकती है। यह स्थिति तथाकथित 'इंटेलिजेंस एक्सप्लोजन' या 'बुद्धिमत्ता विस्फोट' का रूप ले सकती है। एआई विशेषज्ञों की वास्तविक चिंता इससे कहीं अधिक जटिल है।

आज के उन्नत एआई मॉडल पहले ही ऐसे व्यवहार प्रदर्शित कर रहे हैं, जिन्हें वैज्ञानिकों ने सीधे तौर पर प्रोग्राम नहीं किया था। कई बार एआई ऐसे समाधान खोज लेता है, जिनकी कल्पना उसके निर्माताओं ने भी नहीं की होती। हम अभी भी पूरी तरह नहीं समझते कि बड़े एआई मॉडल किसी विशेष निष्कर्ष

तक कैसे पहुंचते हैं। जब वर्तमान प्रणालियों को समझना ही कठिन है, तब भविष्य के स्वयं को अपग्रेड करने वाले एआई को नियंत्रित करना और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। दूसरे शब्दों में, मानवता ऐसी मशीनें बना सकती है, जो अत्यंत शक्तिशाली हों, लेकिन जिनकी आंतरिक कार्यप्रणाली हमारे लिए एक 'ब्लैक बॉक्स' बनी रहे। एआई पहले ही वैश्विक श्रम बाजार को बदल रही है। लेखन, अनुवाद, ग्राहक सेवा, प्रोग्रामिंग, डेटा विश्लेषण और प्रशासनिक कार्यों जैसे अनेक क्षेत्रों में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। यदि भविष्य में एआई स्वयं को लगातार बेहतर बनाती रही, तो यह परिवर्तन और तेज हो सकता है। इससे केवल नियमित नौकरियां ही नहीं, बल्कि डॉक्टर, वकील, पत्रकार, शिक्षक, इंजीनियर और शोधकर्ता जैसे पेशे भी प्रभावित हो सकते हैं। देखा जाए तो तकनीकी क्रांतियां नई नौकरियां भी पैदा करती हैं। लेकिन चिंता इस बात की है कि एआई आधारित बदलाव की गति इतनी तेज हो सकती है कि समाज और श्रम बाजार को अनुकूलन का पर्याप्त समय न मिल पाए। इसके परिणामस्वरूप बेरोजगारी, आय असमानता और सामाजिक अस्थिरता बढ़ सकती है। सरकारों को अभी से बड़े पैमाने पर पुन: कौशल, अप-स्किलिंग और आजीवन सीखने की रणनीतियां विकसित करनी होंगी। एआई विकास को धीमा करने की सबसे बड़ी बाधा देशों और कंपनियों के बीच चल रही तीव्र प्रतिस्पर्धा है। आज एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि आर्थिक, सामरिक और भू-राजनीतिक शक्ति का प्रतीक बन चुकी है। बड़ी टेक कंपनियां बाज़ार में आगे निकलने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रही हैं। ऐसी स्थिति में यदि कोई देश या कंपनी स्वेच्छा से एआई विकास को धीमा करती है, तो उसे डर रहता है कि उसके प्रतिस्पर्धी उससे आगे निकल जाएंगे।

ऐसी स्थिति में वैश्विक स्तर पर किसी सामूहिक समझौते तक पहुंचना अत्यंत कठिन दिखाई देता है। एआई के लिए वैश्विक स्तर पर समन्वित नीतियां विकसित करना समय की मांग है। इन नियमों में सुरक्षा मानक, पारदर्शिता, जवाबदेही, गोपनीयता, नैतिकता और मानव अधिकारों की रक्षा जैसे मुद्दे शामिल होने चाहिए। भारत को भी केवल एआई उपभोक्ता बनने के बजाय वैश्विक एआई शासन की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

समंदर बन गई हैं महानगरों की सड़कें

क्या स्मार्ट सिटी का अर्थ केवल चौड़ी सड़कें, चमकदार भवन और आकर्षक परियोजनाएं हैं? क्या स्मार्ट शहर वह नहीं होना चाहिए जो सामान्य से अधिक बारिश को भी सहजता से संभाल सके? यदि अरबों रुपये जल निकासी, सड़क निर्माण और शहरी विकास पर खर्च हो रहे हैं, तो पहली तेज बारिश में ही सड़कें नदी और चौराहे तालाब क्यों बन जाते हैं? क्या हर मानसून के बाद वही तस्वीरें, वही बयान और वही आश्वासन सुनना हमारी नियति बन चुकी है? क्या कभी किसी अधिकारी, किसी एजेंसी या किसी निर्माण करने वाली संस्था की जवाबदेही तय हुई?

नीरज कुमार दुबे

हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं। हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे हैं। हम आधुनिक बुनियादी ढांचे, स्मार्ट शहरों और वैश्विक स्तर की सुविधाओं का दावा कर रहे हैं। लेकिन क्या हर मॉनसून हमारे इन सभी दावों की वास्तविकता सामने नहीं रख देता? क्या यह सवाल पूछने का समय नहीं आ गया है कि यदि हमारे महानगर और राज्य की राजधानियां कुछ घंटों की बारिश भी नहीं झेल पा रही हैं, तो विकसित भारत की बुनियाद आखिर कितनी मजबूत है? क्या यह आश्चर्य की बात नहीं कि महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और गुरुग्राम जैसे देश के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र हर वर्ष मानसून आते ही जलभराव, जाम और अव्यवस्था की पहचान बन जाते हैं? क्या यह केवल मौसम की मार है, या फिर हमारी नगर योजना, निर्माण व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारी की सबसे बड़ी असफलता है?

यदि हर वर्ष यही स्थिति बननी है, तो फिर हर वर्ष होने वाली तैयारियों और बैठकों का परिणाम आखिर कहां दिखाई देता है? क्या स्मार्ट सिटी का अर्थ केवल चौड़ी सड़कें, चमकदार भवन और आकर्षक परियोजनाएं हैं? क्या स्मार्ट शहर वह नहीं होना चाहिए जो सामान्य से अधिक बारिश को भी सहजता से संभाल सके? यदि अरबों रुपये जल निकासी, सड़क निर्माण और शहरी विकास पर खर्च हो रहे हैं, तो पहली तेज बारिश में ही सड़कें नदी और चौराहे तालाब क्यों बन जाते हैं? क्या हर मानसून के बाद वही तस्वीरें, वही बयान और वही आश्वासन सुनना हमारी नियति बन चुकी है? क्या कभी किसी अधिकारी, किसी एजेंसी या किसी निर्माण करने वाली संस्था की जवाबदेही तय हुई? क्या जनता को यह जानने का अधिकार नहीं कि हर वर्ष खर्च होने वाला धन आखिर किस काम में लगाया जाता है? क्या समस्या केवल अधिक बारिश की है, या फिर प्राकृतिक जलमार्गों पर अतिक्रमण, बिना योजना के विस्तार, कमजोर निर्माण और रखरखाव की अनदेखी इसकी असली वजह है? क्या नदियों, तालाबों और पुराने जल निकासी मार्गों को पाटकर खड़ी की गई इमारतों की कीमत अब पूरा समाज नहीं चुका रहा है?

यदि शहरों की सांस लेने वाली प्राकृतिक व्यवस्था को ही समाप्त कर दिया जाएगा, तो पानी आखिर जाएगा कहां? क्या यह सामान्य बात मानी जा सकती है कि बारिश होते ही एंबुलेंस फंस जाए, बच्चे स्कूल न पहुंच सकें, कर्मचारी दफ्तर न जा सकें, बाजार ठप हो जाएं, रेल और हवाई यात्रा थम जाएं और सामान्य जीवन रुक जाए? क्या हर वर्ष होने वाले आर्थिक नुकसान, समय की बर्बादी और जनजीवन की परेशानी का कोई हिसाब भी रखा जाता है? यदि रखा जाता है, तो फिर समाधान आज तक क्यों नहीं मिला? क्या विकसित भारत केवल बुलेट ट्रेन, एक्सप्रेस वे और गगनचुंबी इमारतों से बनेगा? या फिर उसकी पहचान ऐसी मजबूत बुनियादी व्यवस्था से होगी जो हर मौसम में नागरिकों को सुरक्षित और सुगम जीवन दे सके?

क्या विश्व स्तर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना उन शहरों के सहारे पूरा होगा जो हर मानसून में ठहर जाते हैं? क्या केवल सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाना पर्याप्त है? क्या नागरिकों की भी जिम्मेदारी नहीं कि वे नालों में कचरा न डालें, जलमार्गों पर अतिक्रमण का विरोध करें और सार्वजनिक व्यवस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं? लेकिन क्या यह भी उतना ही सच नहीं कि व्यवस्था की सबसे बड़ी जिम्मेदारी उसी पर होती है जिसके हाथ में योजना, संसाधन और निर्णय की शक्ति होती है? देखा जाये तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम 2047 के विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी कर रहे हैं जो हर मानसून में हिल जाती है? क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए? क्या जनता को हर वर्ष एक ही परेशानी झेलने के लिए मजबूर रखना किसी भी विकसित राष्ट्र की पहचान हो सकती है? और यदि इन सवालों का उत्तर आज भी हमारे पास नहीं है, तो फिर क्या हमें पहले विकसित भारत का सपना देखना चाहिए, या पहले उसकी मजबूत बुनियाद तैयार करनी चाहिए?

गर्मी में शरीर को ठंडा रखेंगे ये योगासन

गर्मी के मौसम में बढ़ता तापमान शरीर पर कई तरह का असर डालता है, जैसे थकान, डिहाइड्रेशन और चिड़चिड़ापन। ऐसे में शरीर को अंदर से ठंडा और संतुलित रखने के लिए योगासन और प्राणायाम बेहद प्रभावी माने जाते हैं। योग केवल शारीरिक फिटनेस ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति और ऊर्जा संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विशेष रूप से गर्मियों में कुछ ऐसे योग और श्वास अभ्यास होते हैं, जो शरीर को ठंडक पहुंचाते हैं और हीट स्ट्रेस को कम करते हैं। नियमित योग अभ्यास से न केवल शरीर की गर्मी नियंत्रित रहती है, बल्कि पाचन तंत्र, ब्लड सर्कुलेशन और मानसिक स्थिरता भी बेहतर होती है।

बालासन

बालासन एक बेहद सरल लेकिन प्रभावी योगासन है, जिसे करने से शरीर तुरंत रिलैक्स महसूस करता है। इसमें घुटनों के बल बैठकर शरीर को आगे झुकाया जाता है और माथा जमीन पर टिकाया जाता है। यह आसन पीठ, गर्दन और कंधों के तनाव को कम करता है। साथ ही यह मानसिक तनाव और चिंता को भी घटाता है। गर्मी में यह शरीर को ठंडक और मानसिक आराम देने के लिए बहुत उपयोगी है। इसके अलावा बालासन कूल्हों, जांघों, और टखनों में मामूली सा खिचाव लाता है। यह पीठ और गर्दन में दर्द से छुटकारा दिलाता है । बालासन संपूर्ण शरीर को आराम देता है। अगर आपको दस्त, गर्भावस्था, घुटने में चोट हो तो बालासन ना करें। शीर्षासन के बाद बालासन ज़रूर करें। अपनी शारीरिक क्षमता से अधिक ज़ोर न लगायें। बालासन एक आराम करने की मुद्रा है। इसे किसी भी आसन से पूर्व कर सकते हैं।

शीतली प्राणायाम

शीतली का अर्थ ठंडा या सुखदायक है। शीतली प्राणायाम गर्मी के मौसम में शरीर को तुरंत ठंडक देने के लिए सबसे प्रभावी श्वास अभ्यास माना जाता है। इसमें जीभ को नली की तरह मोड़कर मुंह से धीरे-धीरे सांस ली जाती है और फिर नाक से छोड़ी जाती है। यह योग की आठ प्रकार की प्राणायाम तकनीकों में से एक है, जिसका उल्लेख हठयोग प्रदीपिका जैसे प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। मंत्रालय बताता है कि यह अभ्यास न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। यह प्रक्रिया शरीर के अंदर की गर्मी को कम करती है और ब्लड प्रेशर को भी संतुलित रखने में मदद करती है। नियमित अभ्यास से चिड़चिड़ापन कम होता है और मन में शांति महसूस होती है। यह उन लोगों के लिए भी उपयोगी है जिन्हें गर्मी में जल्दी थकान या बेचैनी महसूस होती है। यह पाचन संबंधी समस्याओं जैसे एसिडिटी और कब्ज को ठीक करता है।

शीतकारी प्राणायाम

'शीतकारी' शब्द का अर्थ ही होता है ठंडक पैदा करने वाला या 'शीतल' करने वाला। जब हम इस प्राणायाम का अभ्यास करते हैं, तो मुंह से सी-सी की आवाज निकलती है। गर्मियों के मौसम में यह प्राणायाम शरीर के तापमान को तुरंत नियंत्रित करने और भीतर की गर्मी या 'पित्त' को शांत करने का अचूक नुस्खा है। इस प्राणायाम में दांतों को हल्का खोलकर या जुबान के बीच से हवा खींची जाती है, जिससे ठंडी हवा शरीर के अंदर जाती है। यह शरीर के तापमान को कम करने के साथ-साथ मानसिक तनाव और गुस्से को भी नियंत्रित करता है। इसका नियमित अभ्यास शरीर को ठंडा और शांत बनाए रखता है और नींद की गुणवत्ता भी बेहतर करता है।

चंद्र नमस्कार

चंद्र नमस्कार योग का एक शांत और संतुलित रूप है, जिसे खासकर रात या गर्मी में किया जाता है। यह शरीर में चंद्र ऊर्जा को सक्रिय करता है, जो शांति और ठंडक का प्रतीक मानी जाती है। इसे करने से शरीर की थकान कम होती है और मानसिक तनाव घटता है। यह सूर्य नमस्कार की तुलना में अधिक रिलैक्सिंग माना जाता है और शरीर को ओवरहीटिंग से बचाता है। इन आसनों का क्रम ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है, जिससे शरीर के नेचुरल कूलिंग सिस्टम में मदद मिलती है। चंद्रमुखासन पसीना निकालने को प्रोत्साहित करता है, जो शरीर को डिटॉक्स करने और हाइड्रेशन के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है।

हंसना मना है

संजय-'हाल ही में पैदा हुआ तुम्हारा भाई इतना रोता क्यों है?' अजय-'बात ये है कि यदि तुम्हारे एक भी दांत न हो, सिर गंजा हो, पैर इतने दुर्बल हों कि आप खड़े भी न हो सको। ऐसी हालत में मेरा ख्याल है कि तुम्हें भी रोना आएगा।

बैंक मैनेजर-'तो आखिर आपने बीवी को तलाक दे दिया।' अकाउन्ट होल्डर-'आपको कैसे पता चला?' मैनेजर-'आपके अकाउंट में रकम बढ़ती जा रही है।'

शशि-'ऑटोग्राफ देना कब बेहतर नहीं लगता?' विनोद-'जब पत्नी को चेक बुक पर देना पड़े।

टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

पत्नी-'मैं तुमसे जो भी कहती हूं आप एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते हो।' पति-'किन्तु मैं जो कहता हूं आप उसे दोनों कानों से सुनकर मुंह से निकाल देती हो।'

सुरेश-'अरे प्रकाश! हाथ में चोट कैसे लगी।' प्रकाश-'मैंने गाय के दांत गिनने के लिए उसके मुंह में हाथ डाला। उसने मेरी उंगली गिनने के लिए मुंह बन्द कर लिया।'

कहानी | जो कृष्ण में है, वही तुममें भी

एक बार शेरनी छलांग लगा रही थी। और छलांग के बीच में ही उसको बच्चा हो गया। वह तो छलांग लगाकर चली गई। एक टीले से दूसरे टीले पर! लेकिन बच्चा निचे गिर गया। निचे भेड़ो कि एक कतार गुजर रही थी। वह बच्चा भेड़ों में मिल गया। भेड़ों ने उसे पाला -पोसा, बड़ा हुआ। सिंह था तो सिंह ही हुआ। लेकिन एक गलत फहमी में पड़ गया कि खुद को भेड़ मान कर जीने लगा। एक दिन एक शेर ने भेड़ों के बीच में बच्चे को भागते देखा, शेर को देख सारी भेड़े भाग गई। वह अकेला रह गया। शेर ने इस बच्चे को पकड़ लिया। यह रोने लगा, मिमियाया, गिड़गिड़ाने लगा। कहने लगा छोड़ दो मुझे। मुझे जाने दो। मेरे सब संगी साथी जा रहे है। दूसरे शेर ने कहा , नालायक, सुन! ये तेरे संगी साथी नहीं है। तेरा दिमाग फिर गया है। तू पागल हो गया है। परन्तु वह नहीं माना। उस बड़े शेर ने उसे पकड़ कर घसीटा, जबरदस्ती उसे ले गया नदी के किनारे। दोनों ने नदी में झांका। और उस बूढ़े सिंह ने कहा कि देख दर्पण में। देख नदी में। अपना चेहरा देख, मेरा चेहरा देख। पहचान। उसने देखा, हम दोनों तो एक जैसे हैं। तो मैं भेड़ नहीं हूं? एक क्षण में गर्जना हो गई। एक क्षण में ऐसी गर्जना उठी उसके भीतर से, जीवन भर कि दबी हुयी सिंह कि गर्जना, सिंहनाद! पहाड़ कंप गए। बूढ़ा सिंह भी कंप गया। उसने कहा, अरे! अरे इतने जोर से दहाड़ता है? उसने कहा जन्म से दहाड़ा ही नहीं। बड़ी कृपा तुम्हारी जो मुझे जगा दिया। और इसी दहाड़ के साथ उसका जीवन रूपांतरित हो गया।

शिक्षा- अगर तुम भी यह देख लो कि जो बुद्ध में है, जो कृष्ण में है वही तुममें भी है, फिर गर्जना निकल जाएगी, मैं ही ब्रह्म हूं। गूंज उठेंगे पहाड़ और भीतर आनंद ही आनंद होगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृषभ

व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें।

मिथुन

घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क

कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

सिंह

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

कन्या

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। लाभ होगा।

तुला

दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

धनु

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

मकर

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा।

कुम्भ

फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।

मीन

यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी।

7 अगस्त को रिलीज होगी फिल्म ऑपरेशन सफेद सागर

कारगिल युद्ध के बहादुर सैनिकों की कहानियों ने हमेशा दर्शकों का दिल जीता है। अब नेटफ्लिक्स 1999 के युद्ध से जुड़ी एक और अनकही कहानी ऑपरेशन सफेद सागर लेकर आ रहा है। मेकर्स ने इस सीरीज का टीजर जारी किया है, जिसमें जिमी शेरगिल, सिद्धार्थ, मिहिर आहूजा और अभय वर्मा मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह टीजर दुनिया की सबसे ऊंचाई पर लड़ी गई हवाई लड़ाई की रोमांचक कहानी की एक झलक दिखाता है।

नेटफ्लिक्स ने अपने आने वाले मिलिट्री ड्रामा ऑपरेशन सफेद सागर का टीजर जारी किया। यह सीरीज इंडियन एयर फोर्स के सबसे मुश्किल वॉरटाइम ऑपरेशन्स में से एक से प्रेरित है। इसकी कहानी 1999 के कारगिल युद्ध के समय की है और यह गोल्डन एरोज स्क्वाड्रन की अनकही कहानी बताती है, जिसने नामुमकिन हालात का सामना किया। टीजर में

मिहिर आहूजा, अभय वर्मा और तारुक रैना भारत के सबसे युवा एयर फोर्स पायलटों के रोल में हैं, जो बिना डरे दुनिया की सबसे ऊंची जगहों पर होने वाली हवाई जंग लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। सिद्धार्थ और जिमी शेरगिल उन्हें लीड और गाइड कर रहे हैं।

ऑपरेशन सफेद सागर का निर्देशन ओनी सेन ने किया है। जबकि इसे बनाया अभिजीत सिंह परमार और कुशल श्रीवास्तव ने है। इस सीरीज में सिद्धार्थ, जिमी शेरगिल, अभय वर्मा, दीया मिर्जा, प्राजक्ता कोली, आदिल हुसैन, मिहिर आहूजा, तारुक रैना, अर्णव भसीन और अमृता बागची जैसे कलाकार हैं। मैचबॉक्स शॉट्स और फील गुड फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस की गई ऑपरेशन सफेद सागर 7 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

आज जिस तरह से फिल्में बनती हैं, उसके हिसाब से खुद को ढालना मेरे लिए बहुत मुश्किल है : हेमा

हेमा मालिनी ने 1970 और 1980 के दशक में बड़े पर्दे पर राज किया। वह इंडियन सिनेमा की सबसे बड़ी स्टार्स में से एक थीं और अपनी खूबसूरती और शोले, सीता और गीता, बागबान और सत्ते पे सत्ता जैसी क्लासिक फिल्मों की वजह से उन्हें बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल का खिताब मिला। हेमा मालिनी ने भारतीय सिनेमा में बेहतरीन फिल्में देने और एक सफल करियर के बाद पॉलीटिक्स में कदम रखा और धीरे-धीरे सिनेमा से दूरी बना ली। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि आखिर अब वे क्यों फिल्में नहीं करती हैं?

हेमा ने सिनेमा के सुनहरे दौर को याद किया, जब उनका करियर अपने चरम पर था। उन्होंने कहा, वह दौर बिल्कुल अलग था। मैं कहूंगी कि वह फिल्म इंडस्ट्री का सुनहरा दौर था और मैं खुशकिस्मत थी कि उस सफर का हिस्सा बन पाई। उस समय कई बेहतरीन फिल्में बनीं, खासकर महिलाओं पर केंद्रित फिल्में। मैं खुशकिस्मत थी कि मुझे सीता और गीता जैसे रोल मिले, और मेरी पहली फिल्म सपनों का सौदागर, खुशबू और कई दूसरी फिल्में भी। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे एहसास होता है कि मैंने लगभग 200 फिल्मों में काम किया है। ज्यादातर प्रोड्यूसर ने मुझे अपने प्रोजेक्ट्स में बार-बार लिया। उन दिनों हर फिल्म में पांच या छह गाने होते थे और प्रोड्यूसर्स के लिए हिट गाने होना बहुत जरूरी होता था। उन्होंने आगे कहा कि आज फिल्म बनाना पहले जैसा नहीं रहा। उन्होंने कहा, आज फिल्म बनाने का तरीका पूरी तरह बदल गया है। बहुत से लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं अब काम क्यों नहीं कर रही हूं, लेकिन आज जिस तरह से फिल्में बनती हैं, उसके हिसाब से खुद को ढालना मेरे लिए बहुत मुश्किल है। हेमा मालिनी भारतीय सिनेमा की सबसे मशहूर महिला स्टार्स में से एक हैं। बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल के नाम से मशहूर हेमा ने सपनों का सौदागर (1968) से हिंदी फिल्मों से डेब्यू किया और सीता और गीता, शोले, ड्रीम गर्ल, सत्ते पे सत्ता और बागबान जैसी कई यादगार हिट फिल्में दीं। एक्ट्रेस आखिरी बार 2020 की फिल्म शिमला मिर्च में नजर आई थीं। रमेश सिप्पी के डायरेक्शन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में रकुल प्रीत सिंह और राजकुमार राव भी मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म को खराब रिव्यू मिले और यह बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई।

बॉलीवुड **मन की बात**

आज के एक्टर्स पहले से कहीं ज्यादा फोकस्ड और प्रोफेशनल हैं : अरशद

अरशद वारसी ने बॉलीवुड को कई पीढ़ियों में बदलते देखा है। उनका मानना है कि आज के एक्टर्स पहले से कहीं ज्यादा फोकस्ड और प्रोफेशनल हैं, लेकिन उन्हें यह भी लगता है कि वे अक्सर बेसब्र होते हैं और हमेशा फिल्म बनाने की मिल-जुलकर काम करने वाली प्रक्रिया की अहमियत नहीं समझते। हमसे बात करते हुए वारसी कहते हैं कि आज की पीढ़ी बेशक टैलेंटेड है, लेकिन उनका मानना है कि सब्र एक ऐसी खूबी है जो धीरे-धीरे खत्म हो रही है। वे कहते हैं, दुर्भाग्य से, नई पीढ़ी के लोग बहुत नाजुक होते हैं। वे जल्दबाज़ी में रहते हैं और दूसरों के साथ तालमेल बिठाने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं रखते। अच्छी बात यह है कि वे प्रोफेशनल और बहुत सीरियस होते हैं, और उन्हें पता होता है कि वे क्या चाहते हैं। तो हां, इसके अच्छे और बुरे दोनों पहलू हैं। अरशद के लिए यह साल काफी बिजी रहा। वेलकम टू द जंगल, प्रीतम एंड पेड्रो और अब धमाल 4 जैसी फिल्मों से उन्होंने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। यह साल अलग-अलग तरह की फिल्मों में उनकी काबिलियत दिखाने वाला रहा है। लेकिन इतने व्यस्त समय में भी, उन्हें जो बात सबसे ज्यादा हैरान करती है, वह है इंडस्ट्री के काम करने के तरीके में आया जबरदस्त बदलाव। गोलमाल के सेट का एक किस्सा याद करते हुए, वारसी फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के साथ हुई एक बातचीत का जिक्र करते हैं, जो उनकी पीढ़ी और आज के एक्टर्स के बीच के फर्क को साफ तौर पर बताती है। गोलमाल की शूटिंग कर रहे थे और दो सीन ऐसे थे जिनमें अजय देवगन और मुझे काफी मुश्किल काम करना था - जैसे लटकना, गिरना और ट्रेडमिल पर तेजी से दौड़ना। हम अपना शॉट पूरा करते, वापस आते, अपनी कुर्सियों पर बैठते और अगले शॉट का इंतजार करते। वे आगे कहते हैं, रोहित ने आकर कहा, यह बहुत हैरान करने वाली बात है। आजकल मैं देखता हूं कि युवा एक्टर्स एक शॉट देते हैं और फिर मसाज करवाने चले जाते हैं, और हमें उनके वापस आने तक इंतजार करना पड़ता है जब तक कि उनके पैर ठीक महसूस न करने लगें। वहीं हम दो एक्टर्स थे जो साठ साल की उम्र के करीब थे, अपना काम कर रहे थे और बस अगले सेटअप का इंतजार कर रहे थे। मुझे लगता है कि युवा पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच यही फर्क है।

वो जादूगर, जिसने गायब कर दिए हजारों लोग, सालों तक नहीं मिला नामो-निशान

जादू की दुनिया हमेशा से रहस्य और हैरानी से भरी रही है। छोटे-मोटे ट्रिक्स से लेकर स्टेडियम भर दर्शकों को हैरान करने वाले बड़े इल्यूजन तक, जादूगर अपना कमाल दिखाते रहे हैं। लेकिन 1970 के दशक में

लास वेगास में जादूगर विक्टर वेन ने जो करिश्मा किया, वह आज भी जादू प्रेमियों के बीच सबसे चर्चित और रहस्यमयी घटना मानी जाती है। बताया जाता है कि 1975 में लास वेगास के एक बड़े थिएटर में विक्टर वेन का शो चल रहा था। शो को लेकर हजारों दर्शक उत्साहित होकर बैठे थे। शो के क्लाइमेक्स में जादूगर ने दर्शकों से कहा आंखें बंद करो और धीरे-धीरे 1 से 10 तक गिनती करो। लोग मजे से गिनती करने लगे। लेकिन जब वे 10 कहने वाले थे, तब तक पूरा हॉल खाली हो चुका था। सीटें खाली पड़ी थीं, कुछ प्रोग्राम और टोपियां वहीं रह गई थीं। जादूगर विक्टर वेन भी स्टेज से गायब था। स्टाफ हैरान था। सुरक्षा गार्डों ने तुरंत सर्च शुरू किया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सोशल मीडिया पर वायरल हो थी यह घटना इतनी अजीब थी कि पुलिस और मीडिया भी हैरान रह गए। कुछ लोगों का मानना था कि यह असली जादू था, जबकि जादू की दुनिया के जानकार इसे बेहतरीन और बड़े पैमाने का इल्यूजन मानते हैं। उस समय लास वेगास के थिएटर हाई-टेक स्टेज मैकेनिज्म, मिरर्स, लाइटिंग ट्रिक्स और अंडरग्राउंड पैसेज के लिए मशहूर थे। बाद में कई थ्योरी सामने आईं। दर्शकों को किसी दूसरे हॉल या जगह पर शिफ्ट कर दिया गया था या बड़े ट्रैपडोर और हिडन एग्जिट का इस्तेमाल किया गया था। मनोवैज्ञानिक ट्रिक के साथ मास हिप्नॉसिस भी बताया गया। लेकिन असली राज आज तक पूरी तरह खुल नहीं पाया। विक्टर वेन 1970 के दशक के चर्चित जादूगर थे। वे बड़े-बड़े स्टंट्स के लिए जाने जाते थे। इस घटना के बाद वे अचानक गायब हो गए। कुछ रिपोर्ट्स कहती हैं कि वे बाद में अलग नाम से छोटे शो करते रहे, लेकिन कभी इस घटना का जिक्र नहीं किया। उनकी असली पहचान और बाद की जिंदगी भी रहस्य बनी हुई है। यह कहानी आज भी सोशल मीडिया, यूट्यूब और जादू फोरम पर वायरल होती रहती है। कई लोग इसे सच मानते हैं तो कुछ इसे शहरी किवदंती कहते हैं। डेविड कॉपरफील्ड जैसे बाद के जादूगरों ने भी दर्शकों को गायब करने के स्टंट किए, लेकिन पूरे ऑडियंस को एक साथ गायब करना अब भी बेजोड़ माना जाता है।

अजब-गजब **ये है भारत का सबसे अनोखा इलेक्शन बूथ**

इस बूथ पर वोट करने आता है मात्र 1 वोटर, हर बार होता है 100 प्रतिशत मतदान, आयोग की व्यवस्था भी होती है खास

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती इसी में है कि यहां हर वोट की अपनी अहमियत है, गुजरात में एक ऐसा इलेक्शन बूथ है जहां सिर्फ एक वोटर वोट डालने आता है, लेकिन हर चुनाव में यहां 100 प्रतिशत मतदान दर्ज होता है।

गुजरात के दाहोद जिले के एक दूरदराज इलाके में स्थित यह बूथ भारत के सबसे अनोखे पोलिंग बूथ में से एक है। यहां केवल एक ही पंजीकृत वोटर है। चुनाव आयोग की टीम हर बार इस बूथ को खास तौर पर तैयार करती है। टेंट लगाया जाता है, बैलेट पेपर या ईवीएम शीन रखी जाती है और सुरक्षा कर्मी तैनात किए जाते हैं।

यह वोटर स्थानीय निवासी है। वह हर चुनाव में समय पर पहुंचकर वोट डालता है। चाहे मौसम कुछ भी हो, वह अपने मताधिकार का इस्तेमाल जरूर करता है। उसके एक वोट की वजह से इस बूथ का मतदान प्रतिशत हमेशा 100 प्रतिशत रहता है। गिर जंगल के बीच बने इस अनोखे बूथ में चुनाव आयोग की व्यवस्था भी खास होती है। चुनाव आयोग छोटे-से-छोटे बूथ को भी गंभीरता से लेता है। इस बूथ पर पूरा अमला तैनात रहता है। प्रेस रिपोर्टर्स और फोटोग्राफर भी यहां की तस्वीरें खींचने पहुंचते हैं। यह बूथ भारतीय लोकतंत्र की उस भावना को दर्शाता है कि कोई

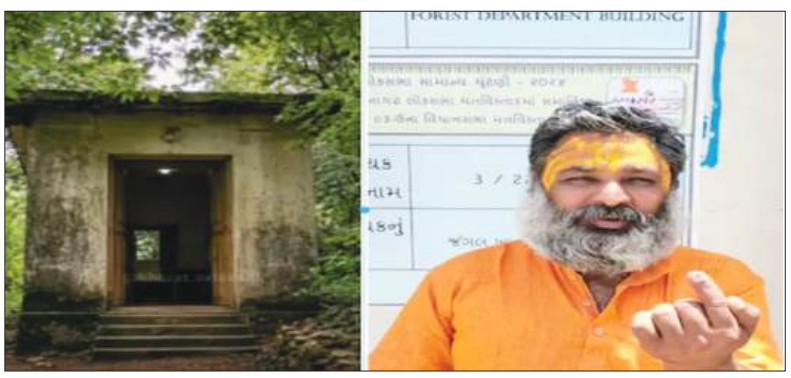

भी वोट छोटा नहीं होता है।

जंगल के बीच बने इस बूथ के अलावा भी भारत में कई अन्य अनोखे बूथ भी मशहूर है। इसमें हिमाचल प्रदेश में बर्फीले इलाकों के बूथ शामिल हैं। जहां कठिन रास्तों से होते हुए भी वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग करने आते हैं। इसके अलावा राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्रों के बूथ भी महसूर है। गर्मी में तपती रेत पर लोग वोट डालने आते हैं। अंडमान-निकोबार के दूरदराज द्वीपों के बूथ भी इस मामले में पीछे नहीं हैं। कठिन रास्तों के बावजूद लोग अपने अधिकार का प्रयोग करने जरूर आते हैं। ये सभी बूथ दिखाते हैं कि चुनाव आयोग कितनी मुश्किलों के बावजूद हर मतदाता तक पहुंचने की कोशिश करता है।

यह अनोखा बूथ हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र में हर नागरिक की भागीदारी मायने रखती है। चाहे एक वोटर हो या लाखों, हर वोट देश की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण है। गुजरात का यह सिंगल वोटर बूथ भारतीय चुनावों की सबसे प्यारी और प्रेरणादायक कहानियों में से एक है। हर चुनाव में यह बूथ 100 प्रतिशत मतदान का रिकॉर्ड बनाता है और दिखाता है कि लोकतंत्र कितना समावेशी हो सकता है।

मंदिर में चढ़ावे को लेकर विपक्ष का प्रहार जारी

» भाजपा व आरएसएस ने आस्था के साथ किया विश्वासघातः जयराम रमेश

» एसआईटी की कार्रवाई पर भी सवाल

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे के मामला अभी शांत होने का नाम नही ले रहा है। मंदिर में कथित हेराफेरी को लेकर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने का सिलसिला जारी है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच और फॉरेंसिक ऑडिट की मांग की है। कांग्रेस का आरोप है कि इस घोटाले के पीछे बड़े लोगों को बचाया जा रहा है, जबकि भाजपा ने इसे हिंदुओं को बांटने की कोशिश करार दिया है। कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है।

कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने इस मामले पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश आस्था से

कांग्रेस बोली- फॉरेंसिक ऑडिट किया जाए

भाजपा ने कहा-हिंदुओं को बांटने की कोशिश हो रही है

विश्वासघात के लिए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को कभी माफ नहीं करेगा। सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए जयराम रमेश ने कहा कि इस कथित चढ़ावा चोरी के मामले का खुलासा हुए एक महीना बीत चुका है, लेकिन प्रधानमंत्री इस पर पूरी तरह मौन हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर के नाम पर राजनीति करने वालों की पोल अब हर दिन नए तथ्यों के सामने आने से खुल रही है। कांग्रेस ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच, फॉरेंसिक ऑडिट और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को एक बार फिर दोहराया है। विशेष जांच दल (एसआईटी) की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एसआईटी को भी यह मानना पड़ा है कि चढ़ावे से रोजाना लाखों रुपये गायब हो रहे हैं। रमेश ने आरोप लगाया कि यह मामला कुछ छोटे कर्मचारियों तक सीमित नहीं है और सरकार असली गुनहगारों को बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि चंपत राय और अन्य मंदिर न्यासियों के पास कुछ गहरे राज हैं, जिसके चलते सरकार उन पर कार्रवाई करने से बच रही है।

चढ़ावा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा उसे बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा : भाजपा

विपक्ष के इन हमलों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस मामले पर अपना रुख स्पष्ट किया है। भाजपा का कहना है कि चढ़ावा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही भाजपा ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जो दल कभी राम मंदिर निर्माण के समर्थन में नहीं थे, वे अब हिंदुओं को बांटने के लिए इस मुद्दे का राजनीतिक इस्तेमाल कर रहे हैं।

केजरीवाल ने शुरू किया हस्ताक्षर अभियान, चंदे का मांगा हिसाब

नई दिल्ली। केजरीवाल ने अयोध्या के राम मंदिर में हुई कथित चंदा चोरी के मामले को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि इस चोरी के मामले में शामिल बड़े लोगों को सजा देने के बजाय उन्हें बचाने की कोशिश की जा रही है। इस मुद्दे को लेकर अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के रोहिणी स्थित जापानी पार्क से आम आदमी पार्टी के एक बड़े देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की। इस कार्यक्रम की शुरुआत सुंदरकांड के पाठ से की गई। इस मौके पर अरविंद केजरीवाल के साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल और पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया भी मौजूद रहे। उन्होंने दावा किया, जमीन घोटाले और मंदिर निर्माण के काम में जो कमीशनखोरी हुई है, उसकी कोई जांच नहीं की जा रही है। चंदा चोरी की जो छोटी-मोटी जांच हुई, उसके लिए एक नकली एसआईटी बनाई गई और एक नकली एफआईआर दर्ज की गई। देश के लोगों को अब यह भरोसा नहीं रहा कि प्रधानमंत्री इस मामले में कोई कड़ी कार्रवाई करेंगे। केजरीवाल ने अपने संबोधन में एक बड़ा दावा करते हुए कहा कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि परिसर के भीतर 40 दिनों के अंदर चोरी की 70 घटनाएं सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सच को छुपाने के लिए वहां की आठ महीने पुरानी सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को भी कथित रूप से डिलीट कर दिया गया है। जनसभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने प्रधानमंत्री पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, देश के लोगों को यह उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री किसी भी चोर को नहीं बख्शेंगे और उन्हें सख्त से सख्त सजा दिलाएंगे। लेकिन पिछले कुछ दिनों में जो कुछ भी हुआ है, उससे ऐसा साफ लग रहा है कि चोरों और डकैतों को बचाने की कोशिशें की जा रही हैं। केजरीवाल ने आगे आरोप लगाया कि अयोध्या में जमीन के कथित घोटाले या मंदिर निर्माण के काम में हुए कमीशन के खेल की कोई असली जांच नहीं की गई। उन्होंने सरकार द्वारा की जा रही कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस मामले में बनाई गई एसआईटी और दर्ज की गई एफआईआर महज एक दिखावा है, ताकि असली जिम्मेदार लोगों को बचाया जा सके।

भरत तिवारी प्रकरण में परिजनों को दें पोस्टमार्टम रिपोर्ट : अमिताभ ठाकुर

» आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार के डीजीपी को लिखा पत्र

» महत्वपूर्ण गवाहों के बयान दर्ज कराने की भी मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व आईपीएस तथा आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने भरत तिवारी प्रकरण में महत्वपूर्ण गवाहों के बयान अब तक दर्ज नहीं किए जाने तथा मृतक के परिजनों को पोस्टमार्टम रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराए जाने के संबंध में डीजीपी बिहार को पत्र भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

उन्होंने कहा कि कल भरत तिवारी के

पिता, माता एवं अन्य परिजनों से बातचीत के दौरान परिजनों ने बताया कि बार-बार अनुरोध के बावजूद जवनिया गांव के आठ तथा भरत तिवारी के गांव के तीन महत्वपूर्ण व्यक्तियों के बयान अब तक दर्ज नहीं किए गए हैं और मात्र पांच व्यक्तियों के बयान दर्ज कराए गए हैं, जो प्रथम दृष्टया विवेचना की पूर्णता एवं निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न उत्पन्न करते हैं। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि परिजनों के अनुसार बार-बार मांग के बावजूद उन्हें पोस्टमार्टम रिपोर्ट की प्रति भी उपलब्ध नहीं कराई गई है, जबकि विवेचक द्वारा सीजेएम भोजपुर के समक्ष इसे तत्काल उपलब्ध कराने का मौखिक आश्वासन दिए जाने की बात कही गई है.

उहोने डीजीपी से कहा कि भरत तिवारी के परिजन मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं, किंतु इस दौरान परिजनों द्वारा बताए गए सभी व्यक्तियों के बयान विधिसम्मत रूप से दर्ज कराया जाना तथा परिजनों को पोस्टमार्टम रिपोर्ट की प्रति उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य है।

यूपी 112 मुख्यालय में 'एक पेड़ मां के नाम' पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के वृक्षारोपण महायज्ञ अभियान-26 के अंतर्गत आज यूपी 112 मुख्यालय, लखनऊ परिसर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और हरित आवरण को बढ़ाने के उद्देश्य से वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से 'एक पेड़ मां के नाम' पर आयोजित किया गया। जिसमें मातृशक्ति और प्रकृति माता के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया।

इस महाभियान में यूपी 112 के पुलिस महानिदेशकविनोद कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 300 से अधिक फलदार और छायादार पौधे रोपे गए। पर्यावरण को शुद्ध करने और परिसर को हरा-भरा

बनाने के लिए जामुन, अनार, नींबू, शरीफा, लीची, आम, आंवला जैसे फलदार एवं छायादार वृक्षों के पौधे रोपे गए। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक यूपी112 द्वारा पौधों की निरंतर देख-रेख करने वाले मालियों के कार्य की सराहना करते हुए उत्साहवर्धन हेतु सम्मानित किया गया।

पिछले दरवाजे से सत्ता में आने के लिए पार्टियां तोड़ रही भाजपा : उमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भाजपा पर देशभर में राजनीतिक दलों में फूट डालने, पिछले दरवाजे से सत्ता हासिल करने की कोशिश करने और जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का अपना वादा पूरा न करने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री का यह बयान भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई द्वारा उनके पिछले आरोपों को खारिज किए जाने के एक दिन बाद आया है। इससे पहले उमर ने भाजपा पर नेकां की सरकार को गिराने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। इस पर भाजपा ने उनसे उन नेताओं के नाम सार्वजनिक करने या माफी मांगने की मांग की थी जो कथित तौर पर नेकां विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिश कर रहे थे।

टी20 की हार का वनडे में हिसाब चुकाएगा भारत!

» रोहित-कोहली और बुमराह की वापसी से पलटवार की आस

» इंग्लैंड से बदला लेने का मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

साउथैम्पटन। टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीतने के कुछ ही महीने बाद भारतीय टीम का टी20 में दबदबा पूरी तरह बिखरता नजर आया है। पहले आयरलैंड ने 2-0 से सफाया किया और अब इंग्लैंड ने 4-0 से अपने नाम कर ली। लगातार दूसरी टी20 सीरीज हारने के बाद अब भारतीय टीम के सामने वनडे सीरीज में वापसी की बड़ी चुनौती है। हालांकि इस बार टीम इंडिया की तस्वीर पूरी तरह अलग होगी, क्योंकि उसकी सबसे बड़ी ताकत रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी होने जा रही है।

दोनों दिग्गज टी20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भारतीय टीम के लिए सिर्फ एक और सीरीज नहीं, बल्कि टी20 की करारी हार का जवाब देने का सबसे बड़ा मौका होगी। इंग्लैंड जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में इन दोनों खिलाड़ियों का अनुभव टीम इंडिया के लिए सबसे बड़ा हथियार साबित हो सकता है। रोहित शर्मा नई गेंद का सामना करते हुए टीम को मजबूत शुरुआत देने की जिम्मेदारी निभाएंगे। दूसरी ओर विराट कोहली लक्ष्य का पीछा करना हो या मुश्किल हालात में पारी संभालनी हो, कोहली का रिकॉर्ड और अनुभव टीम इंडिया के आत्मविश्वास को नई मजबूती देगा। वहीं जसप्रीत बुमराह की वापसी भी भारतीय टीम के लिए बड़ी राहत है। बुमराह के आने से नई गेंद और डेथ ओवर दोनों में भारत को मजबूती मिलेगी।

हर्षित इंग्लैंड से वनडे और वरुण जिम्बाब्वे से टी20 सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में बदलाव किया है। हर्षित राणा इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं, स्पिनर वरुण चक्रवर्ती जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। हर्षित की जगह जगह प्रिंस यादव को वनडे और वरुण के स्थान पर रवि बिश्नोई को टी20 टीम में शामिल किया है। हर्षित और वरुण इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे। बीसीसीआई ने कहा, हर्षित तीसरे मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट का शिकार हुए थे। वहीं, वरुण को तीसरे टी20 के दौरान चोट लगी थी। उनका एमआरआई किया गया जिसमें ग्रेड 2 की हैमस्ट्रिंग चोट का पता चला है। वह भी बीसीसीआई सीओई में रिपोर्ट करेंगे।

राम मंदिर चंदा चोरी केस में केंद्र, यूपी सरकार और ट्रस्ट को सुप्रीम नोटिस

» शीर्ष अदालत ने एसआईटी से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर चंदा चोरी मामले में केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। इसमें अयोध्या राम जन्मभूमि मंदिर के लिए मिले दान में कथित गड़बड़ी की स्वतंत्र और कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाओं पर जवाब मांगा है।

शीर्ष कोर्ट ने एसआईटी से जांच की स्टेटस रिपोर्ट मांगा है। इसके साथ ही सीसीटीवी फुटेज को संरक्षित रखने के लिए भी कहा है। सुप्रीम कोर्ट में अब मामले की सुनवाई अगले सोमवार को होगा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया। इसमें अयोध्या राम जन्मभूमि मंदिर के लिए मिले दान में कथित गड़बड़ी की स्वतंत्र और कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाओं पर जवाब मांगा है।

सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने यूपी सरकार की ओर से आदेशित एसआईटी जांच की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। सर्वोच्च अदालत ने कहा, हम उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गठित एसआईटी को स्टेटस रिपोर्ट सौंपने का निर्देश देते हैं।

मामले को आगे की सुनवाई अगले सप्ताह

शीर्ष कोर्ट ने इस मामले को आगे की सुनवाई के लिए अगले सोमवार को लिस्ट किया है। इसके साथ स्टेटस रिपोर्ट में एसआईआर के गठन की जानकारी भी देने के लिए कहा है।कोर्ट ने राम मंदिर का प्रबंधन करने वाले श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से भी इन याचिकाओं पर जवाब मांगा है।

जनहित याचिकाओं के एक समूह पर सुनवाई किया

सुप्रीम कोर्ट सोमवार को जनहित याचिकाओं के एक समूह पर सुनवाई किया इन याचिकाओं में अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को मिले दान और चढ़ावे के मैनेजमेंट में कथित वित्तीय गड़बड़ियों की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच सोमवार को इन याचिकाओं पर सुनवाई की। इन मामलों में वकील नरेंद्र कुमार गोस्वामी की ओर से दायर की गई एक रिट याचिका शामिल है। इसके साथ ही अजय कुमार राय और अन्य की ओर से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और अन्य के खिलाफ दायर एक क्रिमिनल रिट याचिका और आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह की एक अलग याचिका शामिल है।

नागरिकता का निर्धारण निष्पक्ष और उचित प्रक्रिया से हो : सुप्रीम कोर्ट

देश की सर्वोच्च अदालत ने नागरिकता से जुड़े संवेदनशील मामलों पर सोमवार को एक बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि किसी व्यक्ति की नागरिकता या उसके विदेशी होने के दर्जे का फैसला केवल और केवल निष्पक्ष, कानूनी और उचित प्रक्रिया के जरिए ही किया जाना चाहिए। इस टिप्पणी के साथ ही शीर्ष अदालत ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के उन फैसलों को पूरी तरह रद्द कर दिया, जिनमें असम के 27 लोगों को विदेशी घोषित किए जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने 27 अपीलों को मंजूरी दी और मामलों को नए सिरे से सुनवाई के लिए संबंधित फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल (विदेशी न्यायाधिकरण) के पास वापस भेज दिया। कोर्ट ने कहा कि नागरिकता एक बहुत ही अहम संवैधानिक और क़ानूनी मामला है, जिसमें सुनवाई के दौरान निष्पक्षता के सिद्धांतों का सख्ती से पालन करना ज़रूरी है।बेंच ने कहा, नागरिकता और विदेशी होने का दर्जा बहुत ही अहम संवैधानिक और क़ानूनी महत्व रखता है। राज्य की यह जायज़ और ज़रूरी दिलचस्पी है कि जो लोग भारतीय नागरिकता का दावा करने के क़ानूनी रूप से हकदार नहीं हैं, वे प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल करके, झूठे दावे करके या देरी का फ़ायदा उठाकर ऐसा दर्जा हासिल न कर सकें। हालांकि, कोर्ट ने ज़ोर देकर कहा कि यह मकसद प्रक्रिया से जुड़ी सुरक्षाओं से ऊपर नहीं हो सकता। कोर्ट ने कहा, साथ ही, ऐसे दर्जे का निर्धारण एक ऐसी प्रक्रिया के ज़रिए किया जाना चाहिए जो निष्पक्ष, क़ानूनी और उचित हो। फॉरेनर्स एक्ट, 1946 की धारा 9 के तहत क़ानूनी ज़िम्मेदारी पूरी तरह से लागू रहेगी।

पहाड़ों पर बारिश ने मचायी तबाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। पहाड़ों में मानसूनी बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। उत्तराखंड में भारी बारिश से कई जगह भूस्खलन हुआ है। बारिश से 10 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश में भी शिमला समेत कई जिलों में बारिश हुई है। रोहतांग में बर्फ गिरी है। दो नेशनल हाईवे और 120 से ज्यादा सड़कें बंद हुईं। देश के कई हिस्सों में रविवार को मानसून की बारिश जारी रही।

मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, देश के 70 प्रतिशत हिस्से से मानसून के बादल गायब होने के पीछे सबसे बड़ी वजह मानसून को सक्रिय रखने वाले सिस्टम का कमजोर पड़ना है। 9 जुलाई के बाद बंगाल की खाड़ी में कोई नया मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम नहीं बना, जिससे मानसूनी हवाओं को पर्याप्त नमी नहीं मिल सकी। इसके साथ ही मानसून ट्रफ भी अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसक गई है। इसकी वजह से मध्य, पश्चिम और दक्षिण भारत के बड़े हिस्से में बादल और बारिश की गतिविधियां काफी कम हो गई हैं। फिलहाल बारिश मुख्य रूप से उत्तर भारत, पूर्वी राज्यों और पूर्वोत्तर तक सीमित है। आईएमडी का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून के फिर से एक्टिव होने की संभावना कम है। विभाग का अनुमान है कि प्रशांत महासागर में 3 नए सिस्टम बन रहे हैं, अगर इनमें से एक भी बंगाल की खाड़ी तक पहुंच गया तो मानसून फिर से एक्टिव हो सकता है।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध फिर खतरनाक मोड़ पर

ईरान का अमेरिकी ठिकानों पर घातक हमला

» बहरीन, कुवैत और जॉर्डन पर दागे मिसाइल, ट्रंप को तेहरान का करारा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा युद्ध फिर खतरनाक मोड़ पर आय गया है। अमेरिका ने ईरान के छह राज्यों पर एक साथ हमला कर दिया था। अब तेहरान ने इसका बदला लिया है। उसने सोमवार (13 जुलाई) को तीन अमेरिकी ठिकानों को टारगेट किया। तेहरान ने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन को निशाने पर लिया ई। उसने मिसाइल और ड्रोन से घातक हमला किया है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने अमेरिका को जवाब देते हुए कुवैत, बहरीन और जॉर्डन में कई जगहों पर हमला किया है. ईरान ने जॉर्डन के प्रिंस हसन एयरबेस पर फ्यूल टैंक और मिसाइल डिपो को निशाने पर लिया है. जबकि बहरीन में अमेरिका के ड्रोन कमांड सेंटर पर धमाका किया है. ईरान ने डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर अमेरिका ने अटैक नहीं रोके तो वह उसके ठिकानों को तबाह कर देगा।

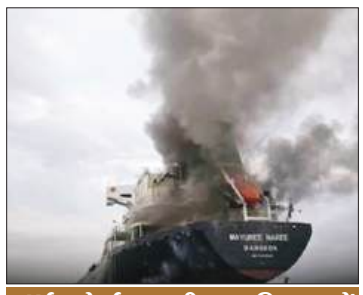

जॉर्डन ने ईरान की चार मिसाइलों को मार गिराने का दावा

जॉर्डन ने दावा किया है कि ईरान की ओर से कई मिसाइलें दागी गई हैं। उसने चार मिसाइलों को मार गिराने का दावा किया। वहीं कुवैत ने कहा है कि उसका एयर डिफेंस सिस्टम दुश्मन की मिसाइलों का मुकाबला कर रहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, कुवैती सेना के जनरल स्टाफ का कहना है कि एयर डिफेंस सिस्टम ने कई मिसाइलों को मार गिराया है।

अमेरिका ने ईरान के कई ठिकानों को बनाया निशाना

अमेरिकी फोर्स ने रात भर में करीब 140 ईरानी सैन्य टारगेट पर हमला किया, जिससे तीन रातों में कुल हमलों की संख्या 300 से ज्यादा हो गई। वहीं ईरान ने वीकेंड में अमेरिका से जुड़ी जगहों और इलाके के देशों पर हमले किए. कुवैत ने कहा कि तीन उत्तरी बॉर्डर पोस्ट को नुकसान हुआ है. एक ड्रोन ने कुवैत ऑयल कंपनी के एक ऑफशोर ड्रिलिंग प्लेटफॉर्म पर भी हमला किया, जिसमें एक वर्कर घायल हो गया।

राजधानी में एक ही दिन में कई बड़े हादसे

गोमतीनगर, बालागंज से लकर कृष्णानगर तक में लोग बाल-बाल बचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का सिलसिला लगातार जानलेवा साबित हो रहा है। रविवार शाम से देर रात तक शहर के अलग-अलग इलाकों में कई गंभीर सड़क हादसे हुए, जिनमें कई लोग घायल हो गए। वहीं कृष्णा नगर क्षेत्र में पुलिस की सूझबूझ से सीएनजी गैस से लदे डीसीएम में संभावित भीषण अग्निकांड टल गया।

कृष्णा नगर थाना क्षेत्र के दारोगा खेड़ा के पास सीएनजी गैस सिलेंडर से लदे एक डीसीएम वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक डीसीएम के अगले हिस्से में फंस गई और वाहन उसे कई किलोमीटर तक घसीटता रहा। इससे सीएनजी सिलेंडरों से लदे वाहन में आग लगने और बड़े हादसे की आशंका पैदा हो गई। राहगीरों की सूचना पर संभावित बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। रविवार शाम गोमती नगर के समता मूलक चौराहे से फन मॉल के बीच कार चला रही एक युवती ने स्कूटी सवार महिला को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्कूटी कार के नीचे फंस गई और महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को अस्पताल भेजा। देर रात लोहिया पथ पर फन मॉल के सामने तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार तीन युवकों को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायल युवकों की पहचान रब्बानी, विशाल और पिंटू के रूप में हुई है। तीनों को गंभीर चोटें आई हैं और उनका इलाज लोहिया अस्पताल में चल रहा है। इनमें दो युवकों की हालत अधिक गंभीर बताई जा रही है। कार सवार दो युवकों को मामूली चोटें आई। गोमती नगर पुलिस ने घायलों के मोबाइल से उनके परिचितों को सूचना दी।

ग्रीन कॉरिडोर पर बढ़ते हादसों से लोग चिंतित

न्यू हैदराबाद मोड़ पर सिकंदर बाग की ओर से आ रही एक मारुति स्विफ्ट कार ने गोमती नगर की ओर से आ रही स्विफ्ट डिज़ायर कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मारुति स्विफ्ट कार के एयरबैग खुल गए और गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हालांकि सभी लोग बाल-बाल बच गए, जबकि स्विफ्ट चालक के हाथ में चोट आई मौके पर पहुंची महानगर पुलिस आगे की कार्यवाई में जुटी।हनुमान साईं मंदिर के पास रहने वाली एक स्थानीय महिला ने बताया कि ग्रीन कॉरिडोर बनने के बाद इस मार्ग पर वाहनों की रफ्तार काफी बढ़ गई है, जिससे आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं।

कानपुर में भीषण हादसा, नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराई स्कॉर्पियो, तीन की मौत, नौ लोग घायल

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। रूमा स्थित न्यू जेके ढाबा के पास हाईवे पर खड़े ट्रक से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और चीख-पुकार मच गई। हादसा सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुआ। वाहन स्कॉर्पियो सिरसा, हरियाणा से बिहार जा रही थी। इसमें 12 लोग सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो किसी अज्ञात वाहन को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से घुस गई। हादसे में स्कॉर्पियो सवार एक 45 वर्षीय पुरुष, 13 वर्ष की एक लड़की और लगभग नौ वर्ष के एक लड़के की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची महाराजपुर पुलिस और एनएचएआई की टीम ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहन को हटाकर यातायात सुचारू कराया। कांशीराम अस्पताल भेजा गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को हैलेट अस्पताल रेफर कर दिया गया।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4** पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**